आनंद बरसता है | By Shilpi Kaushik

बाबा तेरे कीर्तन में
बड़ा आनंद बरसता है
झूमते हैं दीवाने
जब जब तू संवरता है
बाबा तेरे कीर्तन में .....

सुध बुध खो जाती है
जब कीर्तन में आ जाएँ
देख के तुझे बाबा
मन की कली खिल जाए
बाबा तेरे होने से
यहाँ कण कण महकता है
बाबा तेरे कीर्तन में .....

भजनो की गंगा में
डुबकी लग जाती है
भावो के रत्नो से
झोली भर जाती है
चरणों में शीश झुका
तू चरणों में शीश झुका
फिर भाग्य चमकता है
बाबा तेरे कीर्तन में .....

बाबा तेरे प्रेमी से
मिलना हो जाता है
उनको लगा के गले
मन तुझको ही पाता है
पंकज का दिल तेरे
हम सबका दिल तेरे
दरबार में लगता है
बाबा तेरे कीर्तन में .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%a8%e0%a4%82%e0%a4%a6-%e0%a4%ac%e0%a4%b0%e0%a4%b8%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-shilpi-kaushik/